सुविधा

सोलर भंडारण परियोजना में जमा की गई बिजली रात में आपूर्ति की जाएगी, कजरा सोलर परियोजना में ढाई हजार मेगावाट आवर बिजली का होगा भंडारण

दिन में उत्पादित बिजली जमाकर रात में आपूर्ति होगी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में अब दिन में बिजली का उत्पादन होगा और उसे जमा (स्टोर) कर रात में आपूर्ति की जाएगी। जमा की हुई बिजली की आपूर्ति विशेषकर पीकआवर में की जाएगी, ताकि लोगों को निर्बाध बिजली मिल सके। मांग के अनुसार बिजली मिलने से ट्रिपिंग की समस्या से भी लोगों को निजात मिलेगी। बिजली जमा करने की शुरुआत लखीसराय के कजरा सोलर बिजली घर परियोजना से की जा रही है। आने वाले दिनों में इसका विस्तार राज्य के अन्य जिले में भी होगा। कंपनी अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या सबसे अधिक है। कुल दो करोड़ 10 लाख उपभोक्ताओं में 88 फीसदी घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें 50 फीसदी ग्रामीण, 33 फीसदी कुटीर ज्योति (गरीबी रेखा से नीचे) तो पांच फीसदी शहरी उपभोक्ता हैं। देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में घरेलू उपभोक्ता सबसे अधिक हैं। यही कारण रहा कि कोरोना काल में जब देश के अन्य राज्यों में बिजली की मांग में कमी आई तो बिहार में खपत में वृद्धि हो गई। घरेलू उपभोक्ता के कारण ही अब भी पीकआवर यानी शाम छह-सात बजे से लेकर रात 11 बजे तक सबसे अधिक बिजली खपत होती है। पीकआवर में मांग के अनुसार आपूर्ति करने में कंपनी को खुले बाजार से दो-तीन गुना अधिक कीमत पर बिजली की खरीद करनी पड़ती है। पीकआवर में कम बिजली मिलने के कारण रोटेशन पर बिजली आपूर्ति की जाती है। अगर शहरी इलाकों में बिजली मिलती है तो अर्धशहरी व ग्रामीण इलाके में बिजली की कटौती करनी पड़ती है। भंडारण आधारित सोलर बिजली परियोजनाओं से इस समस्या का समाधान हो सकेगा। साथ ही नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्रय के लिए निर्धारित मात्रा की बाध्यता (आरपीओ) भी दूर हो सकेगी। कजरा बिजली घर में 2500 मेगावाट आवर सोलर बिजली का भंडारण हो सकेगा। इस बिजली को अधिकतम चार घंटे के भीतर उपयोग किया जा सकेगा। यानी शाम छह बजे से रात दस बजे के बीच प्रति घंटे 625 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जा सकेगी।

> राज्य में लोगों को सस्ती बिजली मुहैया कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग ने विद्युत भंडारण प्रणाली के विकास के लिए एक नई पहल शुरू की है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के माध्यम से राज्य के लोगों को न केवल सूर्यास्त के बाद भी निर्बाध बिजली मिलेगी, बल्कि उन्हें सस्ती बिजली देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी सफल होंगे।
> –बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ऊर्जा मंत्री